SOPHIA COLLEGE FOR WOMEN (AUTONOMOUS)

Affiliated to

UNIVERSITY OF MUMBAI

Programme: **Hindi Course**

Programme Code: SBAHIN

F.Y.B.A.

(2019-2020)

(Choice Based Credit System with effect from the year 2019-20)

Programme Outline: FYBA Hindi compulsory (SEMESTER I)

Course Code	Unit No	Name of the Unit	Credits
SBAHIN101		**अनिवार्य हिंदी**	3
	1	काव्यकुंज भाग -1	
	2	श्रेष्ठ हिंदी कहानियाँ भाग- 1	
	3	पत्र - लेखन-	
	4	भाषा दक्षता- संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया	

Programme Outline: FYBA COMPULSORY (SEMESTER II)

Course Code	Unit No	Name of the Unit	Credits
SHAHIN 201		**अनिवार्य हिंदी**	3
	1	काव्यकुंज भाग -2	
	2	श्रेष्ठ हिंदी कहानियाँ भाग- 2	
	3	निबन्ध - लेखन	
	4	भाषा दक्षता- पर्यायवाची, विलोम, लिंग, वचन, मुहावरों का वाक्य में प्रयोग	

Preamble (प्रास्ताविका)

कला स्नातक [बी . ए] के हिंदी पाठयक्रम में हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं तकनीकि विकास का व्यापक अध्ययन हेतु कुल नौ पेपर शामिल किये गए हैं, जो कि हिंदी विभाग की बड़ी उपलब्धि है और यह ऐसा विभाग है जो भारतीय भाषा एवं साहित्य की समृद्ध विरासत से छात्रों को जोड़ता है | इस पाठ्यक्रम में आधुनिक हिंदी की विविध विधाओं जैसे – कविता, नाटक, उपन्यास, एकांकी, कहानी, व्याकरण आदि को शामिल किया गया है | कहानियां एवं काव्य के माध्यम से छात्रों को भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों से परिचित करना और उनमें नैतिकता का विकास करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य है |

विभाग ने पाठयक्रम में भाषा की शुद्धता में वृद्धि करने हेतु अनेक व्याकरण के विषयों को सम्मिलित किया है| विभाग छात्रों को रोजगार के क्षेत्रो में सक्षम करने हेतु इस पाठयक्रम में संचार-कौशल, अनुवाद ,विज्ञापन, पत्रकारिता एवं कंप्यूटर तकनीकि आदि विषयों को पढाया जाता है | छात्रों में आलोचनात्मक विश्लेषण, हिंदी साहित्य एवं संस्कृति का महत्व, पर्यावरण सजगता के प्रति गहरी चेतना जागृत करने हेतु पाठ्यक्रम में निबंध, उपन्यास एवं अन्य गद्य विधाओं को शामिल किया गया है |

विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि के छात्रों को एक ही स्तर पर लाने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए इसे तैयार किया गया है| काव्यशास्त्रीय अध्ययन से छात्रों में काव्य के प्रति रूचि निर्माण हो इसलिए भारतीय काव्य शास्त्र का विषय सम्मिलित किया गया है | हिंदी भाषा के उद्भव और विकास तथा इतिहास संबधी जानकारियां प्राप्त हो तथा छात्रों को भाषाई शुद्धता का ज्ञान हो इसलिए भाषा-विज्ञान के विविध विषयों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है | नाटकों और निबंधो के माध्यम से छात्रों में पारिवारिक मूल्यों और संबंधो के प्रति संवेदना निर्माण करने का प्रयत्न किया गया है |

साहित्य और समाज के मध्य के गहरे सम्बन्ध को समझाने हेतु और साहित्य ही समाज का प्रतिबिम्ब है यह प्रस्थापित करने हेतु अस्मितामूलक विमर्श, विविध विचारकों जैसे गांधी, मार्क्स, आम्बेडकर एवं राजाराममोहन राय आदि का हिंदी साहित्य पर पड़े प्रभाव को दर्शाने वाले विमर्श साहित्य में सम्मिलित किया गया है |

PROGRAMME OBJECTIVES

PO 1	साहित्य मानवीय चित्तवृत्तियों का प्रतिबिम्ब होता है उसमें समाज की विकृतियों, संवेदनाओं एवं परिस्थितियों को चित्रित किया जाता हैं, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक सजगता निर्माण करना और मूल्यांकन क्षमता का विकास करना |
PO 2	विद्यार्थियों को साहित्य की विविध कथा-कहानियों, रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज आदि का परिचय कराना |
PO 3	साहित्य की विविध विधाओं का पठन-पाठन करते हुए विद्यार्थियों में लेखन कौशल का विकास करना और साहित्य के प्रति रूचि निर्माण करना |
PO 4	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के माध्यम से काव्य भाषा की सुन्दरता से परिचित कराना | विद्यार्थियों को भावनात्मक रूप से संवाद करने में सक्षम बनाना तथा काव्य में निहित रस, भावना और आध्यात्मिकता के विभिन्न आयामों से विद्यार्थियों को जोड़ना।
PO 5	प्रयोजनमूलक एवं जनसंचार के विविध माध्यमों के पठन-पाठन से विद्यार्थियों को रोजमर्रा के जीवन में संचार करने के लिए एक सुगम और सहज भाषा का उपयोग करने के योग्य बनाना। |
PO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अनुभव, सोच की गहराई और विचारों को दूसरों के साथ साझा करने में सक्षम करना और साथ ही उनमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक समूहों के बीच संबंधों को मजबूत करने का कौशल निर्माण करना |
PO 7	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों को हिंदी साहित्य के इतिहास, प्रमुख कवियों और रचनाकारों से परिचित करते हुए उन्हें नैतिक मूल्यों और सामाजिक समस्याओं से सजग करना |
PO 8	भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न आयामों जैसे कि रस, अलंकार और छंद का अध्ययन करके काव्य की सुंदरता और भावों की समझ निर्माण करना साथ ही साहित्यिक सौंदर्य, कला एवं वैचारिक मूल्यों की छात्रों को जानकारी देना |
PO 9	भाषा विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया में प्रयुक्त हिंदी की जानकारी देकर उन्हें व्यावहारिक हिंदी का प्रयोग करने में सक्षम बनाना|

PROGRAMME SPECIFIC OUTCOMES

PSO 1	विद्यार्थी गद्य की विविध विधाओं रेखाचित्र, व्यंग्य, आत्मकथा, एकांकी, संस्मरण, निबंध तथा रिपोर्ताज से परिचित होंगे |
PSO 2	अन्य गद्य विधाओं के पठन-पाठन एवं चरित्रों को पढ़ने से विद्यार्थी उनमें व्यक्त भावों को समझ कर जीवन में उतारने के लिए सक्षम होंगे| अपने प्राप्त कौशल से जीवन की विविध चुनौतियों का सामना करने को तैयार रहेंगे |
PSO 3	उपन्यास के पठन - पाठन से संघर्षमयी जीवन से परिचित होंगे और सैद्धांतिक मूल्यों को जान पाएँगे तथा भविष्य में अपने जीवन में उनका अमल कर पाएंगे |
PSO 7	मध्यकालीन तथा आधुनिक काव्य के द्वारा विद्यार्थियों में नयी विचारधारा, संवेदनाएँ और दृष्टिकोण का निर्माण होगा | काव्य भाषा की रचनात्मकता और उसकी सांस्कृतिक विविधता को समझ सकेंगे | इसके अलावा, काव्य रस, संवेदना, और साहित्यिक गुणों को समझने की उनमें क्षमता निर्माण होगी |
PSO 5	व्यावहारिक हिंदी और जनसंचार के माध्यम से छात्रों को मीडिया में पत्रकार, संपादक, रिपोर्टर, लेखक, ब्लॉगर साथ ही - हिंदी भाषा के अनुवादक, संचालक और सामाजिक संचार अधिकारी के रूप में हिंदी भाषा में विपणन, विज्ञापन, और बाजारिक संचार के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करने में सक्षम होंगे।
PSO 6	साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी समाज में आनेवाले बदलाव, संघर्ष, प्रेम, विश्वास, और मानवीय अनुभवों को समझने में सक्षम होंगे | उसमें वर्णित पात्रों के माध्यम से चरित्रों के संघर्ष, विचारों और भावनाओं से अपने चारित्रिक गुणों का विकास करेंगे | इसके अलावा मानवीय, नैतिक, सामाजिक असमानता को समझने में सक्षम होंगे।
PSO 7	हिंदी साहित्य की विविध विधाओं जैसे प्रेरणादायक कविताएँ और रोचक कथाओं के माध्यम से छात्रों में साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी और वे जीवन में साहित्य के महत्व को समझ कर रचनात्मकता कौशल में विकास करेंगे |
PSO 8	पाठ्यक्रम के माध्यम से छात्रों में सैन्धान्तिक मूल्यों का विकास होगा तथा हिंदी भाषा के व्यावहारिक ज्ञान से अवगत होने से छात्रों को न केवल शुद्ध भाषा की जानकारी होगी बल्कि तकनीकि क्षेत्रों में रोजगार की विभिन्न संभावनाएँ छात्रों के समक्ष निर्माण होगी ।
PSO 9	पाठ्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय काव्य परम्परा से अवगत होंगे और उनमें सृजनात्मक कौशल का विकास होगा, साहित्य के प्रति रूचि निर्माण होगी |

SEMESTER 1

NAME OF THE COURSE	अनिवार्य हिंदी	
CLASS	FYBA	
COURSE CODE	SBAHIN101	
NUMBER OF CREDITS	3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	अनिवार्य हिंदी पत्र में विद्यार्थी को हिंदी के आधुनिक काव्य, कहानियों और व्याकरण के माध्यम से भाषा और साहित्य का संस्कार देना।
CO 2.	हिंदी कविताओं में मैथिली शरण गुप्त, जयशंकर प्रसाद, निराला, महादेवी वर्मा, सुभद्राकुमारी चौहान, नागार्जुन, हरिवंशराय बच्चन, नीरज आदि के ज़रिए विद्यार्थी को हिंदी की काव्य परंपरा और उसके विराट सौंदर्य से जोड़ना।
CO 3.	महान लेखक प्रेमचंद से लेकर अमरकान्त तक की कहानियों के ज़रिए विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों के विकास के साथ- साथ सामाजिक, राजनैतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक विसंगतियों और समस्याओं के आकलन की क्षमता निर्माण करना। कहानी और कविताएँ अपने समय और समाज का भी दस्तावेज होती हैं, इस सत्य से भी विद्यार्थियों को अवगत कराना।
CO 4	व्याकरण के अलग-अलग विषयों का अभ्यास कराना ताकि भाषागत अशुद्धियां दूर हो सकें और विद्यार्थी शुद्ध लेखन, वाचन कर सकें।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	कविताओं के वाचन और व्याख्या के उपरांत विद्यार्थी न केवल हिंदी के बड़े कवियों से परिचित हो जाएंगे बल्कि जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों, संवेदनाओं को महसूस करने में भी सक्षम हो जायेंगे।
CLO 2.	प्रेमचंद से लेकर अमरकांत तक अनेकों कथाकारों की कथाओं में डूब कर विद्यार्थी जीवन की अनेक समस्याओं, मानवीय स्वप्नों, त्रासदियों, दृष्टिबिन्दुओं को समझकर अपनी चेतना का विस्तार करेंगे |
CLO 3 .	विद्यार्थी संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, लिंग, वचन, मुहावरों, लोकोक्तियों, पर्यायवाची और विलोम शब्दों के संज्ञान से भाषा की परिपूर्णता, परिशुद्धता और कौशल की तरफ अग्रेसर होंगे और भाषा प्रयोग में भी सहज ही कुशल हो जाएंगे।

इकाई 1	**काव्य कुञ्ज भाग -1**
1.1	बीती विभावरी जाग री- जयशंकर प्रसाद
1.2	भिक्षुक-सूर्यकांत त्रिपाठी (निराला)
1.3	मैं नीर भरी दुख की बदली - महादेवी वर्मा
1.4	नर हो न निराश करो मन को- मैथिलीशरण गुप्त
1.5	पुष्प की अभिलाषा- माखनलाल चतुर्वेदी
1.6	झाँसी की रानी - सुभद्राकुमारी चौहान
1.7	सिंदूर तिलकित भाल- नागार्जुन
1.8	दिया जलाना कब मना है- हरिवंशराय बच्चन
1.9	जलाओ दिये पर रहे ध्यान इतना गोपाल दास सक्सेना नीरज
इकाई 2	**हिंदी श्रेष्ठ कहानियाँ - (भाग 1)**
2.1	पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित कहानियाँ बड़े घर की बेटी- प्रेमचंद
2.2	पुरस्कार- जयशंकर प्रसाद

2.3	हार की जीत - सुदर्शन
2.4	चीफ की दावत- भीष्म साहनी
2.5	पाजेब- जैनेंद्र कुमार
2.6	सदाचार का ताबीज- हरिशंकर परसाई
2.7	डिप्टी कलेक्टरी - अमरकांत
2.8	अपना गाँव- मोहनदास नैमिशराय
इकाई 3	**पत्र लेखन -**
3.1	निमंत्रण, बधाई, आवेदन,
3.2	संपादक के नाम, शिकायत एवं सुझाव
इकाई 4	**भाषा दक्षता**
4.1	अशुद्धि शोधन (शब्दगत व अर्थगत)
4.2	संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया शब्दों को वाक्य में पहचानना।
4.3	अपठित गद्यांश

संदर्भ :

- काव्य कुंज: संपादन हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- श्रेष्ठ कहानियाँ भाग - २ संपादन हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- गद्य विविधा - सम्पादन -हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्व विद्यालय, प्रकाशक – परिदृश्य प्रकाशन
- हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति- डॉ. हरदयाल, प्रकाशन - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी कहानी का इतिहास -गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी भाषा और लिपि -डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
- बोलचाल की हिंदी -सुशीला गुप्ता
- आधुनिक हिंदी काव्य और कवि – डॉ. सुरेश चन्द्र निर्मल, भावना प्रकाशन, दिल्ली

SEMESTER II

NAME OF THE COURSE	अनिवार्य हिंदी	
CLASS	FYBA	
COURSE CODE	SBAHIN201	
NUMBER OF CREDITS	3	
NUMBER OF LECTURES PER WEEK	4	
TOTAL NUMBER OF LECTURES PER SEMESTER	60	
EVALUATION METHOD	INTERNAL ASSESSMENT	SEMESTER END EXAMINATION
TOTAL MARKS	25	75
PASSING MARKS	10	30

COURSE OBJECTIVES

CO 1.	अनिवार्य हिंदी पत्र में विद्यार्थी को हिंदी के आधुनिक काव्य, कहानियों और व्याकरण के माध्यम से भाषा और साहित्य का संस्कार देना।
CO 2.	हिंदी कविताओं में शमशेर बहादुर सिंह, केदारनाथ अग्रवाल, धूमिल और केदारनाथ सिंह आदि के ज़रिए विद्यार्थी को हिंदी की काव्य परंपरा और उसके विराट सौंदर्य से जोड़ना।
CO 3.	उषा प्रियंवदा, मन्नू भंडारी, कृष्णा सोबती आदि महिला कहानीकारों और रांगेय राघव से लेकर ओम प्रकाश वाल्मीकि तक की कहानियों के ज़रिए विद्यार्थी में भाषा संस्कार के संग जीवन और साहित्य की समझ देना।
CO 4.	व्याकरण के अलग अलग विषयों का अभ्यास कराना ताकि भाषागत अशुद्धियां दूर हो सकें और विद्यार्थी शुद्ध लेखन, वाचन कर सकें।

COURSE LEARNING OUTCOMES:

CLO 1.	कविताओं के वाचन और व्याख्या के उपरांत विद्यार्थी न केवल हिंदी के बड़े कवियों से परिचित हो जाएंगे बल्कि जीवन के विभिन्न दृष्टिकोणों, अनुभवों, विचारबिंदुओं, छवियों, संवेदनाओं को महसूस करने में भी सक्षम हो जायेंगे।
CLO 2.	अनेकों कथाकारों की कथाओं में डूब कर विद्यार्थी जीवन की अनेक समस्याओं, मानवीय स्वप्नों, त्रासदियों, दृष्टिबिन्दुओं को समझकर अपनी चेतना का विस्तार करेंगे और भाषा प्रयोग में भी सहज ही कुशल हो जाएंगे।
CLO 3	निबंध और भाषा दक्षता के संज्ञान से भाषा की परिपूर्णता, परिशुद्धता और कौशल की तरफ अग्रसर होंगे।

इकाई 1	**काव्य कुञ्ज कविता भाग -2**
1.1	वैतरणी करोगे पार- शिवमंगल सिंह सुमन
1.2	बात बोलेगी- शमशेर बहादुर सिंह
1.3	बसंती हवा- केदारनाथ अग्रवाल
1.4	बाघ - केदारनाथ सिंह
1.5	कहाँ तो तय था चिराग़ा हर एक घर के लिए- दुष्यंत कुमार
1.6	चल पड़े जिधर दो डग मग में- सोहनलाल द्विवेदी
1.7	हम दीवानों की क्या हस्ती- भगवती चरण वर्मा
1.8	किस्सा जनतंत्र- धूमिल
1.9	विद्रोहिणी-सुशीला टाकभौरे
इकाई 2	**हिंदी श्रेष्ठ कहानियाँ - (भाग 1)**
2.1	वापसी - उषा प्रियंवदा
2.2	अकेली - मन्नू भंडारी
2.3	सिक्का बदल गया- कृष्णा सोबती
2.4	गदल- रांगेय राघव
2.5	घुसपैठिए- ओमप्रकाश वाल्मीकि

2.6	गणपति गणनायक - सूर्यबाला
2.7	कब्र का मुनाफा - तेजेंद्र शर्मा
2.8	दलित ब्राह्मण -सत्यप्रकाश
इकाई 3	**निबन्ध- लेखन**
3.1	सामजिक, शैक्षणिक
3.2	आत्मकथात्मक, वैचारिक, सैम-सामयिक
इकाई 4	**भाषा दक्षता**
4.1	लिंग, वचन पर्यायवाची शब्द, विलोम, मुहावरे
4.2	संक्षेपण और पल्ल्वन

संदर्भ :

- काव्य कुंज: संपादन हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, मुंबई प्रकाशक : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
- श्रेष्ठ कहानियाँ भाग - २ संपादन हिंदी अध्ययन मंडल, मुंबई विश्वविद्यालय, प्रकाशक : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
- हिंदी कहानी परम्परा और प्रगति- डॉ. हरदयाल, प्रकाशन - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी कहानी का इतिहास -गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
- नयी कहानी की भूमिका – कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली
- हिंदी भाषा और लिपि -डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
- बोलचाल की हिंदी -सुशीला गुप्ता
- आधुनिक हिंदी काव्य और कवि – डॉ. सुरेश चन्द्र निर्मल, भावना प्रकाशन, दिल्ली

ASSESSMENT DETAILS:

Each course/paper of each semester is of 100 marks. There is an Internal Assessment (IA) of 25 marks held during the semester and a written Semester End Exam (SEE) of 75 marks at the end of each semester, for each course/paper.

Internal Assessment

(25 marks) Part 1: (20 Marks)

The Examiner may give an objective type Test/s and/or a Project. Each type of testing method would be for marks ranging from 10 to 20. The duration of each will depend on the nature of the Test/Project.

For the objective type Test, the Examiner may choose the type of questions – MCQs, one line answer, fill in the blanks etc. The questions may be all of one type or a combination of different types of questions. With regard to the Project, the Examiner will determine the type of project – presentation and/or written assignment and/or viva voce.

Part 2: Attendance (05 Marks)

Five marks out of the 25 will be given for attendance. The marking scheme for attendance will be **determined** by the Examination Committee.

Semester End Examination –External Assessment (75 marks)

The SEE will be 2.5 hours. There will be first question Reference to context from prose and poems and other 3 questions will be long answers and question no. 5 will be short notes and students will be given an internal choice of questions. Question I to Question V will be essay type questions based on one Unit each. Students will be given TWO questions from which they have to attempt any one. Question V will be short notes of 5 marks each. Students will be given FIVE questions and they have to attempt any three of them. There will be at least one short note from each Unit.